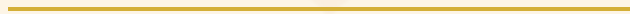




# माँ सरस्वती की पूजा विधि

अपने जीवन में सफलता, शांति और समृद्धि प्राप्त करने के लिए ।

AT YOUR DOOR



# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

# ॥ माँ सरस्वती की पूजा विधि ॥

**पूजा का श्रेष्ठ समय:** प्रातःकाल, अध्ययन आरम्भ से पहले, या वसंत पंचमी के दिन।

**आवश्यक सामग्री:** चित्र/मूर्ति, सफेद या पीला वस्त्र, पुष्प, अक्षत, दीपक, धूप, जल, नैवेद्य, पुस्तकें, कलम, वाद्य (यदि हों)।

## विधि:

1. स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
2. पूजा स्थान स्वच्छ कर चौकी पर वस्त्र बिछाएँ।
3. माता का चित्र/मूर्ति स्थापित करें।
4. दीपक जलाएँ, धूप करें।
5. जल अर्पित करें।
6. अक्षत, पुष्प, चन्दन अर्पित करें।
7. अपनी पुस्तकें/कॉपी/कलम माता के चरणों में रखें।
8. मंत्र जप करें (11, 21, 108 बार):
9. ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः
10. स्तुति पाठ:
11. या कुन्देन्दुतुषारहारधवला...
12. चालीसा / आरती करें।
13. नैवेद्य अर्पित करें।
14. विद्या, बुद्धि, स्मरण शक्ति और वाणी की प्रार्थना करें।
15. प्रसाद ग्रहण करें और बाँटें।

**विशेष नियम:** असत्य भाषण न करें, अध्ययन स्थल स्वच्छ रखें गुरु, माता-पिता का सम्मान करें, ज्ञान का दुरुपयोग न करें

**संक्षिप्त प्रार्थना:** सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि ।  
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा ॥

॥ इति माँ सरस्वती पूजा विधि सम्पूर्ण ॥